

प्रेषक,

डा० उमाकान्त पंवार,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,  
पर्यटन निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग

देहरादून दिनांक 11 अगस्त, 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 में भवन मरम्मत के अन्तर्गत पर्यटक आवास गृह गंगी एवं रीह के कार्य हेतु धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-152/2-6-652(II)/2015, दिनांक 14 जुलाई, 2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद टिहरी के पर्यटक आवास गृह गंगी तथा पर्यटक आवास गृह रीह के मरम्मत कार्य हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 में विभागीय भवनों की मरम्मत मद में प्राविधानित धनराशि ₹ 30.00 लाख में से कुल धनराशि ₹ 7.98 लाख (रूपये सात लाख अठ्ठानवे हजार मात्र) अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अन्तर्गत निम्नलिखित तालिका में वर्णित विवरणानुसार व्यय किये जाने हेतु श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र० सं०	योजना का नाम	प्राविधानित कार्य	(रूपये धनराशि लाख में)	
			आगणन लागत	वित्तीय वर्ष 2015-16 में अवमुक्त की जा रही धनराशि
1	जनपद टिहरी के पर्यटक आवास गृह गंगी के मरम्मत का कार्य	1. समस्त पर्यटक आवास गृह की रंगाई पुताई का कार्य।	4.44	4.44
2	जनपद टिहरी के पर्यटक आवास गृह रीह के मरम्मत का कार्य	2. पत्थर भरान का कार्य। 3. खिड़कियों के टूटे हुये शीशे बदलने का कार्य। 4. पीओसीओ फर्श डालने का कार्य।	3.54	3.54
	योग :-		7.98	7.98

- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए तथा एक मद की धनराशि दूसरे मद में कदापि व्यय न की जाय।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाये।
- विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।



- (vi) स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
- (vii) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 तथा इसके क्रम में समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।
- (viii) आवंटित धनराशि का उपभोग 31 मार्च, 2016 तक कर लिया जाय। अवशेष धनराशि समयान्तर्गत शासन को समर्पित कर दी जाय।
- (ix) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत की जा रही है। मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं होगा। बजट योजनावार आवंटन उसके विपरीत मासिक योजनावार व्यय का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- (x) वित्तीय वर्ष के अन्त में कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगित प्रमाण पत्र भी शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- (xi) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (xii) कार्यदायी संस्था के निधारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2- उपरोक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-26 के लेखाशीर्षक-5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-संवर्धन तथा प्रचार-04-राज्य सेक्टर-48-विभागीय भवनों की मरम्मत-24-वृहत् निर्माण कार्य के मानक मद के नामे डाला जायेगा।

3- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-88/XXVII(3)कार्य/2005, दिनांक 24 फरवरी, 2005 एवं शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015, दिनांक 1 अप्रैल, 2015 के प्राविधानों द्वारा प्रतिनिहित अधिकारों के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S...15...206...11...द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(डा० उमाकान्त पंवार)  
प्रमुख सचिव।

संख्या:- 1530 / VI(1) / 2015-03(12) / 2004, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, टिहरी।
- 5- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- सम्बन्धित कार्यदायी संस्था।
- 7- एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(प्रकाश चन्द्र भट्ट)  
उप सचिव।

66